स्कूल भरे बिजली बिल, ठेकेदार उड़ाए पानी!
जल संरक्षण के दावों की खुली पोल

पुलिस हाउसिंग बोर्ड के छात्रावास निर्माण पर उठे सवाल, स्कूल प्रबंधन भर रहा बिजली बिल, ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया, बाबा ठाकुर

मानसून की बेरुखी और सामान्य से काफी कम बारिश के चलते जिले में जल संकट की आहट अभी से सुनाई देने लगी है। पेयजल स्त्रोतों के साथ नदी-नालों का जलस्तर घटने से ग्रामीण क्षेत्रों में चिंता बढ़ रही है। हालात को देखते हुए छिंदवाड़ा जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग भी उठने लगी है। ऐसे समय में जल संरक्षण को प्राथमिकता देने के बजाय यदि पेयजल स्त्रोतों का उपयोग निर्माण कार्यों में किया जा रहा है, तो यह व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ऐसा ही मामला सांदीपनि स्कूल परिसर में सामने आया है, जहां पुलिस हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से छात्रावास और गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि निर्माण कार्य के लिए स्कूल परिसर के पुराने भवन में स्थित ट्यूबवेल से पानी लिया जा रहा है।



ट्यूबवेल से टैंक में पानी, फिर टुल्लू पंप से निर्माण में उपयोग

स्थानीय स्तर पर सामने आई जानकारी के अनुसार, स्कूल परिसर में स्थित पुराने ट्यूबवेल से पानी निकालकर पहले पुराने टैंक में जमा किया जाता है। इसके बाद टुल्लू पंप की मदद से निर्माण कार्य में पानी का उपयोग किया जा रहा है। आरोप है कि निर्माण एजेंसी के कर्मचारी इस व्यवस्था के माध्यम से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में पानी ले रहे हैं। यदि यह स्थिति सही है, तो जल संरक्षण के प्रयासों के बीच इस तरह पानी का इस्तेमाल चिंता का विषय है।मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि संबंधित ट्यूबवेल का बिजली बिल स्कूल प्रबंधन द्वारा भरे जाने की बात सामने आई है। ऐसे में सवाल उठता है कि जिस जल स्रोत के संचालन का खर्च स्कूल प्रबंधन उठा रहा है, उससे निर्माण एजेंसी को पानी लेने की अनुमति किसने दी? क्या इसके लिए कोई आधिकारिक स्वीकृति ली गई है? यदि अनुमति नहीं है, तो निर्माण कार्य में पेयजल स्रोत के इस्तेमाल को अब तक क्यों नहीं रोका गया?



एक ओर जल संकट, दूसरी ओर भूजल का दोहन

जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश की कमी के कारण जल स्रोतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। नदी-नालों और पेयजल स्रोतों में पानी की उपलब्धता कम होने पर इसका सीधा असर आम नागरिकों, किसानों और पशुओं पर पड़ सकता है। ऐसे समय में भूजल का विवेकपूर्ण उपयोग और जल स्रोतों का संरक्षण बेहद जरूरी हो जाता है।सांदीपनि स्कूल परिसर में ट्यूबवेल के पानी का निर्माण कार्य में उपयोग किए जाने के आरोपों ने संबंधित विभागों की जिम्मेदारी पर सवाल खड़े किए हैं। यदि प्रतिदिन बड़ी मात्रा में पानी निर्माण कार्य में खर्च हो रहा है, तो इससे भूजल स्तर पर कितना प्रभाव पड़ रहा है, इसकी जांच की जानी चाहिए। हालांकि, पानी की वास्तविक खपत और इसके उपयोग की अनुमति से संबंधित तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के आरोप, निगरानी पर सवाल

स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि निर्माण एजेंसी के कर्मचारी इस तरह पानी का उपयोग कर रहे हैं, जिससे निर्माण कार्य के लिए अलग से पानी की व्यवस्था करने का खर्च बच सके। यदि ऐसा हो रहा है, तो यह जांच का विषय है कि निर्माण एजेंसी को पानी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी किसकी है और इस संबंध में विभागीय अधिकारियों ने क्या व्यवस्था बनाई है।निर्माण कार्यों में पानी की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इसके लिए किसी स्कूल के पेयजल स्रोत का उपयोग करना उचित है या नहीं, यह स्पष्ट होना चाहिए। विशेष रूप से तब, जब ट्यूबवेल का बिजली बिल स्कूल प्रबंधन भर रहा हो और जल संरक्षण की जरूरत लगातार बढ़ रही हो।

स्कूल प्रबंधन और विभागीय अधिकारियों से जवाब की दरकार

मामले में स्कूल प्रबंधन, पुलिस हाउसिंग बोर्ड और संबंधित निर्माण एजेंसी की भूमिका की जांच जरूरी है। अधिकारियों को स्पष्ट करना चाहिए कि ट्यूबवेल से निर्माण कार्य के लिए पानी लेने की अनुमति दी गई है या नहीं। यदि अनुमति नहीं है, तो पानी का उपयोग किसके निर्देश पर किया जा रहा है? साथ ही निर्माण कार्य के लिए पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की समीक्षा भी की जानी चाहिए।स्थानीय स्तर पर मांग उठ रही है कि स्कूल के ट्यूबवेल से निर्माण कार्य में पानी लेने पर तत्काल रोक लगाई जाए, यदि इसके लिए वैध अनुमति नहीं है। साथ ही ट्यूबवेल के उपयोग, बिजली बिल के भुगतान और निर्माण एजेंसी द्वारा पानी की खपत की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए।अब सवाल यह है कि जब जल संरक्षण समय की जरूरत है, तब स्कूल परिसर के पेयजल स्रोत से निर्माण कार्य में पानी के उपयोग पर संबंधित विभाग कब संज्ञान लेंगे?

प्रदूषण का 'धीमा जहर' निगलने को मजबूर हजारों ग्रामीण

यूकेआर और कृष्णा पर क्यों नहीं हो रही कार्यवाही, सालों से नहीं जाग रहा प्रशासन, सब मिलीभगत है: कांग्रेस नेता जोगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर



औद्योगिक क्षेत्र बोरगांव व आसपास संचालित कंपनियों से निकलने वाले केमिकल युक्त जहरीले पानी और कंपनियों के चिमनी से निकलने वाली जहरीली धूल-डस्ट ने स्थानीय ग्रामीणों का जीवन नरक बना दिया है। एक ओर जहां जहरीले पानी के कारण क्षेत्र के लगभग 15 गांवों के हजारों लोग पिछले 20 वर्षों से गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अब यूकेआर इंडस्ट्रीज और कृष्णा फैक्ट्री जैसी कंपनियों की चिमनियों से निकलने वाली राख व जहरीली धूल-डस्ट ने ग्रामीणों की सांसों पर संकट खड़ा कर दिया है। हर दिन इससे सैकड़ो परिवार परेशान हो रहे हैं।

रसोई से लेकर पीने के पानी तक जमा हो रही जहरीली डस्ट

ग्राम पंचायत खैरी तायगांव के ग्रामीणों का जीना दुश्वार हो चुका है। प्रतिदिन कंपनियों से चिमनियों से उड़ने वाले बारीक केमिकल युक्त कण सीधे लोगों के घरों, रसोइयों, भोजन और पीने के पानी में घुल रहे हैं। यह जहरीली डस्ट अब ग्रामीणों के लिए 'धीमे जहर' का काम कर रही है, जिससे सांस की बीमारियां, त्वचा रोग और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ गया है। पीड़ित ग्रामीण एवं शिकायतकर्ता किशोर भुजबल खेरितायगाव ने बताया कि वे बीते कई सालों में सौसर प्रशासन, भोपाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लेकर दिल्ली तक सैकड़ों शिकायतें दर्ज करा चुके हैं। यहां तक कि सीएम हेल्पलाइन (181) पर भी कई बार शिकायत दर्ज कराई गई थी।बावजूद इसके न तो प्रदूषण विभाग की टीम कोई सख्त कदम उठा रही है और न ही कंपनियों पर कोई ठोस कार्रवाई की जा रही है। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद प्रशासन की टीम आई और मात्र खाना पूर्ति कर चली गई हैं।



सीएम हेल्पलाइन पर जांच के नाम पर लीपापोती

शिकायतकर्ता श्री भुजबल ने बताया कि जब सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत (क्रमांक 37888264) के जवाब में अधिकारियों ने 06 और 07 अक्टूबर 2026 को निरीक्षण का दावा करते हुए वायु प्रदूषण की समस्या को पूरी तरह खारिज कर दिया। प्रदूषण नियंत्रण विभाग की टीम ने क्लीन चिट देते हुए शिकायत को 'तथ्यहीन एवं निराधार' करार दे दिया और शिकायतकर्ता को ही 'आदतन शिकायतकर्ता' बताकर केस बंद करने की अनुशंसा कर दी है। जबकि समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। आज भी 24 घटे कंपनियों के चिमनी से निकलने वाली धूल डस्ट घरों में पहुंच रही है।

ग्रामीणों में भारी आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

अधिकारियों और प्रदूषण विभाग के इस उपेक्षापूर्ण व लचर रवैये से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विलास जोगी, जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत धुर्वे, का कहना है कि कंपनियों से निकलने वाले केमिकल युक्त पानी नदी नालों से जमीन में रेस रहा है और लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। वही कंपनियों की चिमनियों से निकलने वाली जहरीली धूल डस्टबिन लोगों के खाने में पहुंच रही है। प्रशासन और कंपनी प्रबंधन के बीच सांठगांठ के कारण कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है, जिसके चलते जनता के स्वास्थ्य और जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

नवरात्रि में भी पानी के लिए तरसी जनता, टैंकर वितरण में भेदभाव के आरोप

जगन्नाथ वार्ड क्रमांक 13 में चार दिनों से जल संकट, वार्ड 40 नोनिया करबल में भी टैंकरों के भरोसे लोग

हरिभूमि न्यूज, छिंदवाड़ा। नगर निगम क्षेत्र में पेयजल संकट से आम जनता परेशान है। वार्ड क्रमांक 13 जगन्नाथ वार्ड में पिछले चार दिनों से पानी की समस्या बनी हुई है। वहीं वार्ड क्रमांक 40 नोनिया करबल में सीवरेज लाइन डालने के कार्य एवं पाइपलाइन फूटने के कारण नलों से पानी नहीं आने की शिकायत सामने आई है। ऐसे में लोगों को पानी के टैंकरों के भरोसे रहना पड़ रहा है।जगन्नाथ वार्ड के रहवासियों का आरोप है कि टैंकरों से पानी वितरण में समानता नहीं बरती जा रही है। जिन लोगों द्वारा टैंकर बुलाया जाता है, उनके घरों के सामने टैंकर खड़ा कर पहले उन्हीं को पानी दिया जाता है। इसके बाद अन्य रहवासियों को इंतजार करना पड़ता है। स्थिति यह है कि कुछ लोगों को अंत में केवल एक-दो बाल्टी पानी से ही संतोष करना पड़ता है। इससे बच्चों, महिलाओं और अन्य परिवारों को दैनिक जरूरतें पूरी करने में परेशानी हो रही है।



नवरात्रि में भी राहत नहीं, जिम्मेदारों पर सवाल

नवरात्रि जैसे पावन पर्व के दौरान भी लोगों को पीने और घरेलू उपयोग के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। रहवासियों का सवाल है कि जब नगर निगम द्वारा पानी के बिल नियमित रूप से जारी किए जाते हैं, तो फिर पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करना निगम की जिम्मेदारी क्यों नहीं है?वार्ड क्रमांक 40 नोनिया करबल में भी सीवरेज कार्य और पाइपलाइन संबंधी समस्या के कारण जलापूर्ति प्रभावित होने की शिकायत है। टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने के बावजूद लोगों की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं।जनता की मांग है कि नगर निगम प्रभावित वार्डों में नियमित एवं पर्याप्त टैंकर भेजे, पानी वितरण में भेदभाव की शिकायतों की जांच करे और पाइपलाइन की समस्या का जल्द समाधान कर नल से जलापूर्ति बहाल करे। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी जनता की इस परेशानी पर कब तक ठोस कार्रवाई करते हैं।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई: 1400 किलो महुआ लाहन नष्ट, 30 लीटर अवैध शराब जब्त



सौंसर। अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने सौंसर क्षेत्र में दबिश देकर बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री बी.आर. वैद्य के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। आबकारी वृत्त सौंसर की टीम ने ग्राम मेंहदीपठार और कारली में नालों तथा जंगल की झाड़ियों के पास अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान अवैध हाथ भट्टी महुआ शराब बनाने के उद्देश्य से छिपाकर रखा गया लगभग 1400 किलोग्राम महुआ लाहन मौके पर ही नष्ट किया गया। इसके साथ ही टीम ने 30 लीटर जहरीली हाथ भट्टी कच्ची शराब भी जब्त की। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की संबंधित धाराओं 34(1)(क) एवं 34(1)(च) के तहत कुल 3 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। वृत्त प्रभारी कु. भारती गौड ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ इस तरह की सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।इस पूरी कार्रवाई के दौरान आबकारी आरक्षक जितेंद्र धुर्वे, भावना हेड़ाऊ एवं उत्कर्ष ठाकरे मुख्य रूप से मौजूद रहे।

महिला की हालत बिगड़ने के बाद सील हुआ क्लीनिक

एसडीएम की कार्यवाही के बाद सील हुआ था अवैध दवाखाना, सरकारी कार्यवाही के बाद डॉक्टर ने स्वयं खोल लिया सील ताला

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

विकासखंड परासिया में कथित झोलाछाप डॉक्टरों की गतिविधियों को लेकर स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ताजा मामला कथित चिकित्सक डॉ. अशोक भगत से जुड़ा है, जिनके उपचार के बाद एक महिला की हालत गंभीर होने का आरोप है। महिला को गंभीर स्थिति में आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डॉ. अशोक भगत के क्लीनिक को सील कर दिया था। हालांकि, अब रम्हा रोड पर पुलिस थाने के ठीक सामने संचालित स्टार पैथोलॉजी लैब को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

सीलिंग के बाद भी गतिविधियां जारी होने का आरोप

स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, क्लीनिक सील होने के बाद भी डॉ. अशोक भगत से जुड़ी कथित स्वास्थ्य सेवाएं बंद नहीं हुई हैं। आरोप है कि रम्हा रोड स्थित स्टार पैथोलॉजी लैब के माध्यम से मरीजों को परामर्श, उपचार और जांच संबंधी सेवाएं दी जा रही हैं। हालांकि, लैब के पंजीयन, संचालन की वैधानिकता और वहां दी जा रही सेवाओं की वास्तविक स्थिति की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।



स्वास्थ्य विभाग की निगरानी पर सवाल

पुलिस थाने के सामने लैब के संचालन को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी बताई जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि बिना आवश्यक अनुमति और निर्धारित मापदंडों के स्वास्थ्य सेवाएं संचालित हो रही हैं, तो यह मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है। महिला की हालत बिगड़ने के मामले की भी निष्पक्ष जांच जरूरी है, ताकि उपचार में लापरवाही के आरोपों की सच्चाई सामने आ सके।एफआईआर और जांच अभियान की मांगक्षेत्रीय नागरिकों ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, छिंदवाड़ा तथा पुलिस प्रशासन से स्टार पैथोलॉजी लैब की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही डॉ. अशोक भगत के खिलाफ लगे आरोपों की जांच कर दोष सिद्ध होने पर कानूनी कार्रवाई करने और परासिया क्षेत्र में संचालित अन्य अवैध क्लीनिकों की भी जांच कराने की मांग उठाई है। अब देखना होगा कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में क्या कदम उठाता है।

रामाकोना सड़क हादसा, 1 नागपुर रेफर, यू फ्रॉर एच फाउंडेशन बनी सहारा

सौंसर। नागपुर-छिंदवाड़ा मार्ग पर रामाकोना स्थित कन्हान पुलिया के पास गुरुवार को एक सड़क हादसा घटित हुआ। हादसे में नागपुर से छिंदवाड़ा की ओर जा रहे 22 वर्षीय युवक रविंद्र राठौर को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही यू फ्रॉर एच की एम्बुलेंस टीम बिना समय गंवाए तुरंत मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को तत्काल सौंसर सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए नागपुर रेफर कर दिया गया।स्थानीय निवासियों का कहना है कि सौंसर क्षेत्र में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में यू फॉर एच फाउंडेशन की एम्बुलेंस सेवा लगातार मददगार साबित हो रही है।हादसे की खबर मिलते ही टीम सबसे पहले पहुंचकर घायलों को त्वरित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराती है।जिससे कई लोगों की जान बचाई जा चुकी है।



श्री ललिता त्रिपुर सुंदरी राजराजेश्वरी के दिव्य स्वरूप में दर्शन दे रही हैं बड़ी माता

छिंदवाड़ा। नगर शक्ति पीठ श्री बड़ी माता मंदिर, छोटा बाजार, छिंदवाड़ा में इस वर्ष शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष संतोष सोनी ने बताया कि माँ बड़ी माता अपने भक्तों को श्री ललिता त्रिपुर सुंदरी राजराजेश्वरी के दिव्य स्वरूप में दर्शन दे रही हैं। माँ की मनमोहक प्रतिमा का दक्षिण भारतीय शैली में विशेष श्रृंगार किया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए आस्था और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। माँ के मुकुट को तमिलनाडु की विशेष गोल्ड फॉइल से अलंकृत किया गया है। पारंपरिक आभूषणों और बारीक श्रृंगार के माध्यम से देवी के दिव्य स्वरूप को भव्यता प्रदान की गई है। माँ के इस मनोहारी स्वरूप के दर्शन के लिए मंदिर पहुँच रहे श्रद्धालु भाव-विभोर होकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इसके साथ ही इस पावन अवसर पर वृहद स्तर पर सुहागले का आयोजन किया गया जिसमें 501 महिलाओं ने सामूहिक पूजन कर शीघ्र मंदिर निर्माण की कामना की। माँ के हाथों में विराजित दिव्य आयुधों का आध्यात्मिक महत्वइस वर्ष माँ के श्रृंगार में उनके हाथों में दर्शाए गए तोता, पाश, अंकुश, गन्ने का धनुष, कृपाण और बाण विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। श्रीविद्या परंपरा में इन प्रतीकों को प्रेम, मन पर नियंत्रण, इंद्रिय संयम, विवेक और शक्ति से जोड़ा जाता है। माँ ललिता त्रिपुर सुंदरी का स्वरूप शक्ति, करुणा, सौंदर्य और कल्याण का प्रतीक माना जाता है।



साली से अवैध संबंध बने हत्या की वजह, डंडे से पीटकर मफलर से घोंटा गला

तामिया के जंगल में हुए अंधेकत्ल का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

तामिया थाना क्षेत्र के डिंडी-जोगीभुआर रोड स्थित बाई-बहना के जंगल में मिले अज्ञात युवक के रक्तरंजित शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस के अनुसार, साली से अवैध संबंधों के विवाद में दो आरोपियों ने मिलकर राजेश सल्लाम (26) की हत्या कर शव जंगल में फेंक दिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

जंगल में मिला था खून से लथपथ शव

8 अक्टूबर को जंगल में एक अज्ञात युवक का शव मिला था। मृतक का गला और हाथ मफलर से बंधे थे तथा माथे पर चोट के निशान थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शव के पास मिले नारंगी गमछे और जंगल के गेट के पास घास में छिपे मोबाइल फोन से मृतक की पहचान इटावा निवासी राजेश सल्लाम के रूप में हुई।



टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग

पुलिस जांच में सामने आया कि राजेश पिपरिया में मजदूरी करता था। 7 अक्टूबर को वह राजेश कवरेती के साथ अपनी मोटरसाइकिल से निकला था। अगले दिन कवरेती अकेला पिपरिया पहुंचा। उसके बयानों में संदेह होने पर कुआबादला टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में मृतक की मोटरसाइकिल चलाते हुए कवरेती दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की।साली से संबंधों के विवाद में रची हत्या की साजिशपुलिस के मुताबिक, आरोपी तिलकराम उर्फ राजेश कवरेती (46), निवासी मोरढाना, हाल रायखेड़ी रोड पिपरिया और राजेश कुडोपा (44), निवासी कोहका, थाना परासिया ने मिलकर हत्या की योजना बनाई थी। पूछताछ में सामने आया कि मृतक के आरोपी कवरेती की साली से पिछले चार-पांच वर्षों से कथित अवैध संबंध थे। इस बात को लेकर विवाद था और मृतक को पहले भी धमकी दी गई थी। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने राजेश को डिंडी के जंगल की ओर ले जाकर शराब पिलाई।

मोटरसाइकिल और वारदात में प्रयुक्त डंडा जब्त

पुलिस ने मृतक की ग्रे रंग की साइन मोटरसाइकिल, उसकी चाबी और वारदात में प्रयुक्त बांस का डंडा जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक अजय पांडे और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के निर्देशन में एसडीओपी सोनम पाटिल के नेतृत्व में थाना प्रभारी आशीष कुमार जैतवार सहित पुलिस टीम और साइबर सेल ने कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई।

करंट से झुलसा बंदर, वन कर्मी करवा रहे इलाज

दिघावानी / परासिया :- रावनवाड़ा-दिघावानी के हनुमान दफाई क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है । बिजली के तार की चपेट में आने से एक जंगली बंदर गंभीर रूप से झुलस गया । करंट लगने से बंदर जमीन पर गिर पड़ा । स्थानीय ग्रामीणों ने घटना की सूचना वन विभाग को दी । सूचना मिलते ही वन कर्मी अनूप कंसाना और राहुल अग्रवाल मौके पर पहुंचे और घायल बंदर को रेस्क्यू कर परासिया स्थित विभागीय कार्यालय ले आए । फिलहाल बंदर को वन कर्मियों की निगरानी में रखा गया है और पशु चिकित्सक द्वारा उसका इलाज कराया जा रहा है ।वन अधिकारियों के अनुसार बंदर की हालत में धीरे - धीरे सुधार हो रहा है । उसे दवा , मरहम और भोजन दिया जा रहा है । पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उसे दोबारा जंगल में छोड़ा जाएगा ।ग्रामीणों ने इस क्षेत्र में खुले और लटके हुए बिजली के तारों को लेकर नाराजगी जताई है और बिजली विभाग से तारों को व्यवस्थित करने की मांग की है , ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों ।



श्रीराम लीला मंचन में नरेश ने निभाई शंकर शिष्य की भूमिका

छिंदवाड़ा। सनातन संस्कृति के जीवंत प्रतीक ऐतिहासिक श्री रामलीला मंडल की 138 वर्षों से चली आ रही गौरवशाली परंपरा धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने और रामलीला के आयोजन को सफल बनाने में नरेश फरकसे की भूमिका सराहनीय रही है। उन्होंने शूर्पनखा और रावण प्रसंग में शूंकर शिष्य की अहम भूमिका निभाई। रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा, त्याग और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला माध्यम है। ऐसे आयोजन के प्रति समर्पण, जिम्मेदारी और निरंतर सक्रियता समाज में सकारात्मक संदेश देती है। नरेश फरकसे ने रामलीला मंडल से जुड़े कार्यों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर इस ऐतिहासिक परंपरा को सहेजने में योगदान दिया है। रामलीला में महामंत्री की भूमिका समन द्विवेदी ने निभाई।



मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के तहत विकास कार्यों को मिली गति

नगर परिषद अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

नगर परिषद न्यूटन चिखली में मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत नगर में पक्की सड़क निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। नगर में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने और नागरिकों की बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चल रहे इन कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जा रहा है ।

इसी क्रम में नगर के तीन वार्डों वार्ड 5, 7, 8 को जोड़ने वाली लंबी सड़क के निर्माण कार्य का नगर परिषद अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित ठेकेदार की आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।नगर परिषद



अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए ।

निर्माण कार्य में उपयोग की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा निर्माण से संबंधित सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार समझौता नहीं किया जाना चाहिए और कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं , ताकि सड़क लंबे समय तक नागरिकों के लिए उपयोगी बनी रहे ।नगर परिषद अध्यक्ष अनुपमा हेमंत राय ने कहा , कि मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना के तहत निर्मित की जा रही यह सड़क तीन वार्डों को आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी । सड़क निर्माण पूर्ण होने से संबंधित वार्डों के नागरिकों को आवागमन मै सुविधा मिलेगी, विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर होगा तथा स्थानीय नागरिको को दैनिक आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी । इसके साथ ही नगर में अन्य विकास कार्यों के माध्यम से भी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार एवं सुधार की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रद्धा मेरावी द्वारा स्पष्ट किया गया , कि विकास कार्यों में गुणवत्ता , पारदर्शिता एवं निर्धारित मानकों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता है । निर्माण कार्यों की निगरानी के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि नागरिकों को बेहतर एवं टिकाऊ सुविधाएं प्राप्त हो ।

मरही माता मंदिर सिंगोड़ी में निकली विशाल चुनरी यात्रा, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया भाग



सिंगोड़ी:- मरही माता मंदिर सिंगोड़ी में विशाल चुनरी यात्रा का आयोजन बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में किया गया। चुनरी यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तगण शामिल हुए। माता रानी के जयकारों से पूरा ग्राम भक्तिमय हो उठा और जगह-जगह श्रद्धालुओं ने यात्रा का स्वागत किया।विशाल चुनरी यात्रा ग्राम के विभिन्न मोहल्लों एवं प्रमुख मार्गों से होकर निकली। यात्रा दुर्गा मंदिर, गौली मोहल्ला, कबीरवाड़ा चौक, जैन मंदिर, श्रीराम मंदिर, बाजार चौक एवं बस स्टैंड होते हुए आगे बढ़ी। इस दौरान श्रद्धालु माता रानी की चुनरी लेकर भक्ति और उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। पूरे मार्ग में माता के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। यात्रा का समापन मरही माता मंदिर सिंगोड़ी में हुआ, जहां विधि-विधान से महा आरती की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता देखने को मिली। आयोजन ने ग्राम में धार्मिक आस्था,सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया। इस विशाल चुनरी यात्रा के माध्यम से श्रद्धालुओं ने माता रानी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए ग्राम एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की इस अवसर पर ग्राम के अनेक नागरिक गण एवं मंदिर समिति के समस्त पदाधिकारी और सदस्य गण उपस्थित रहे।

श्री राम की निकली बारात, उत्साह से झूम अयोध्यावासी

जुन्नारदेव। नगर की ऐतिहासिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर श्री रामलीला मंचन के शताब्दी वर्ष में नगर वासियों का उत्साह चरम पर है। बुधवार 14 अक्टूबर को श्री रामलीला के चौथे दिवस श्री राम विवाह की कथा के दौरान भगवान श्री राम की भव्य बारात अयोध्या नगरी (शिव मंदिर वार्ड क्रमांक 7-8) से निकाली गई बारात में बड़ी संख्या में नगर वासी अपने प्रभु श्री राम के विवाह के साक्षी बने बारात नगर के मुख्य मार्गों पर बैंड, बाजे और भव्य आतिशबाजी के के साथ निकली जहां पर नगर वासियों ने भगवान श्री राम का जगह-जगह पूजन अर्चन किया। बारात के रामलीला मंच पहुंचने पर श्री राम एवं माता सीता का विवाह संपन्न कराया गया। बुधवार रात्रि 9:30 बजे से रामलीला मंच पर मध्य प्रदेश जनजातीय कार्य विभाग के थिएटर आर्टिस्टों द्वारा रंगमंच पर भव्य प्रस्तुति दी। लगभग 40 लोगों के इस समूह में किया जा रहा कथा का मंचन हर किसी को आकर्षित करता नजर आया माता शबरी के जीवन पर आधारित कथा के दौरान प्रत्येक पात्र ने अपने अभिनय के माध्यम से मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी। रंगमंच पर दी गई प्रस्तुति के दौरान महर्षि वाल्मीकि अपने शिष्य लव और कुश को भगवान श्री राम भक्त शबरी की कथा सुनाते हैं इसी कथा के दौरान श्री राम वन गमन सीता हरण की कथा का भी सुंदर अभिनय किया गया। श्री राम भक्त शबरी की लीला का मंचन देखने रामलीला मैदान पर हजारों की संख्या में नगर वासी पहुंचे रामलीला समिति द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं बनाई गई। हजारों लोगों की भीड़ एक साथ रामलीला मैदान पर पहुंचने के बाद मैदान में जगह कम पड़ गई और दर्शक इस आकर्षक लीला को दूर-दूर से देखने को विवश हो गए। लीला के दौरान न सिर्फ नगर के बल्कि आसपास के क्षेत्र के ग्रामीण भी रामलीला का मंचन देखने बड़ी संख्या में रामलीला मैदान पहुंचे। रामलीला में दर्शकों की संख्या को देखकर रामलीला समिति ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए समस्त नगर वासी और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।



ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच माँ दुर्गा को विधायक सुनील उईके ने की चुनरी अर्पित

माँ कुष्मांडा एवं स्कंदमाता की आराधना के साथ नवेगांव के दुर्गा पंडालों में पहुँची चुनरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

जुन्नारदेव विधानसभा क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना के साथ विधायक सुनील उईके की नौ दिवसीय भव्य चुनरी यात्रा शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर निरंतर आगे बढ़ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं पूर्व सांसद नकुलनाथ की प्रेरणा से वर्ष 2013 में प्रारंभ हुई यह धार्मिक परंपरा अब अपने 14वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है।

वर्षों से जारी इस यात्रा ने क्षेत्र में आस्था, जनसंपर्क और आपसी आत्मीयता का एक विशेष स्वरूप स्थापित किया है।माँ दुर्गा के दरबार में चुनरी अर्पित कर लिया आशीर्वाद11 अक्टूबर को तामिया के



तुलतुला पहाड़ पर विराजमान माँ नैनादेवी को प्रथम चुनरी अर्पित कर यात्रा का शुभारंभ हुआ। इसके बाद 12 एवं 13 अक्टूबर को तामिया और चावलपानी क्षेत्र के दुर्गा पंडालों में माँ भवानी की आराधना करते हुए यात्रा नवेगांव ब्लॉक पहुँची।

14 अक्टूबर को विधायक सुनील उईके ने अपने साथियों के साथ हिरदागढ़, मनकूघाटी, कटकुही, भतोड़िया एवं नवेगांव क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा पंडालों में पहुँचकर माँ दुर्गा को चुनरी एवं प्रसाद अर्पित किया। वहीं, 15 अक्टूबर को चिखलार, बरेलीपार, खुमकाल, घाना एवं नागदेव क्षेत्र के दुर्गा पंडालों में विधि-विधान और भक्तिमय माहौल के बीच चुनरी अर्पित कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

स्वर्गीय भास्कर राव सोनी की स्मृति में विशाल इनामी दंगल 19 को

सिंगोड़ी:- स्वर्गीय श्री भास्कर राव सोनी की स्मृति में शारदेय नवरात्र के पावन अवसर पर विशाल इनामी दंगल एवं पूर्व पहलवानों-उस्तादों के सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 19 अक्टूबर 2026, दिन सोमवार दोपहर 2 बजे से स्थान- (संत कबीरबाड़ा) साहेब सिंगोड़ी, तहसील अमरवाड़ा, जिला छिंदवाड़ा में होगा। आयोजन में 500 रुपये से लगाकर 21000 रुपये तक की इनाम राशि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद छिंदवाड़ा-पांढुर्णा संसदीय क्षेत्र श्री विवेक बंटी जी साहू रहेंगे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक अमरवाड़ा मान्यवर राजा कुंवर कमलेश शाह जी करेंगे। विशेष अतिथि के रूप में विभाग प्रचारक छिंदवाड़ा-परासिया जिला मान्यवर श्री लखन जी, जिला अध्यक्ष भाजपा छिंदवाड़ा मान्यवर श्री शेषराव जी यादव, महापौर जिला छिंदवाड़ा मान्यवर श्री विक्रम आहके जी, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा मान्यवर श्री रमेश पोफली जी, पूर्व विधानसभा प्रभारी मान्यवर टीकाराम जी चंद्रवंशी, मान्यवर श्री उत्तम ठाकुर जी, जिला संयोजक बजरंग दल छिंदवाड़ा मान्यवर श्री नरेंद्र पटेल जी, जिला पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष मान्यवर श्री गोपाल जी यदुवंशी सहित कई वरिष्ठ जन उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम का मंच संचालन बज्जी जी पटेल, सुधांशु चौधरी, विजय शर्मा सहित अन्य द्वारा किया जाएगा।

शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर को वारासिवनी आयेगे प्रसिद्ध गायक विनोद राठौर - संजय सिंह कछवाहा

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। शारदेय नवरात्रि पर्व के अवसर पर नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में एक से बढक़र एक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रतिवर्षानुसार इस साल भी नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब मैदान वारासिवनी में देश के प्रसिद्ध फिल्मी गायक विनोद राठौर का आगमन शरद पूर्णिमा के अवसर पर 25 अक्टूबर को हो रहा है।इस आशय की जानकारी देते हुए समितिअध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि पिछले 23 सालों से समिति के मातारानी का भव्य दरबार, आकर्षक साज सज्जा, गरबा उत्सव, उपहार कूपन, विशाल भण्डारा आदि आकर्षणों से अपनी विशिष्ट पहचान समूचे महाकौशल में बनायी है। इस साल भी उपहार कूपन योजना के लक्की ड्रा कार्यक्रम में 25 अक्टूबर रविवार शरद पूर्णिमा को रात्रि में भव्य ऑर्केस्ट्रा में फिल्म जगत के मशहूर सिंगर विनोद राठौर ओरिजनल के साथ इंडियन आडिय़ल सिंगर अब्दुल शेख व चांदनी मुखर्जी का वारासिवनी में आगमन हो रहा है। उन्होंने बताया कि सुप्रसिद्ध गायक विनोद राठौर ने फिल्म जगत में सुपरस्टार शाहरुख खान, गोविंदा सहित अन्य कलाकारों के लिए एक से बढक़र एक गीतों की प्रस्तुति से अपनी विशेष पहचान बनायी है। जिसमें दीवाना फिल्म का गीत कोई ना कोई चाहिए प्यार करने वाला, बाजीगर का गीत सुनाना भी नहीं आता, छुपाना भी नहीं आता व ऐ मेरे हमसफर, खलनायक का गीत नायक नहीं खलनायक हूँ मै तथा शक्तिमान का शक्तिमान गीत आदि शामिल है। श्री कछवाहा ने नवरात्रि के पावन पर्व पर देश के दिग्गज गायकों की उपस्थिति में संगीत के बड़े आयोजन में उपस्थिति की अपील क्षेत्र के नागरिकों से करते हुए उसे सफल बनाने की अपील की है।



नवरात्र की पंचमी पर भक्तिमय हुआ लांजी, मंदिरों और दुर्गा पंडालों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

हरिभूमि न्यूज लांजी। शारदीय नवरात्र पर्व के पांचवें दिन लांजी नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। सुबह से ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो गई, जो दिनभर जारी रही। मंदिरों और विभिन्न स्थानों पर स्थापित मां दुर्गा के पंडालों में भक्तिमय जस-कीर्तन, भजन और धार्मिक आयोजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। माता रानी के जयकारों से मंदिर परिसर और दुर्गा पंडाल गूंज उठे। श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा क्षेत्र की मंगलकामना के लिए प्रार्थना की।नवरात्र के अवसर पर नगर के विभिन्न मंदिरों और दुर्गा पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। सुबह से ही श्रद्धालु पूजा की थाली, नारियल, चुनरी और पुष्प लेकर माता के दरबार में पहुंचते रहे।



मंदिरों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। वहीं, दुर्गा पंडालों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। जस-कीर्तन और भक्ति गीतों के माध्यम से भक्तों ने माता रानी की महिमा का गुणगान किया।

लांजी नगर के प्रसिद्ध मां लंजकाई मंदिर में नवरात्र की पंचमी पर विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिला। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचे। इसी तरह काली मंदिर, दुर्गा मंदिर और शीतला मंदिर में भी दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिरों में पूजा-अर्चना और भक्ति के माहौल के बीच श्रद्धालु माता रानी के चरणों में शीश नवाते नजर आए।नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के समक्ष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पंडालों में भजन-कीर्तन और माता की आराधना के चलते श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। नवरात्र पर्व के चलते नगर के धार्मिक स्थलों पर चहल-पहल बनी रही और भक्तों ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ माता की उपासना की।

जम्मू कश्मीर के राष्ट्रीय बसोहली उत्सव में वारासिवनी निवासी प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट सागर कुमार की चलेगी कूची !

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

वारासिवनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सिर्रा के मूल निवासी व वर्तमान में छत्तीसगढ़ रायपुर निवासी प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कार्टूनिस्ट संतोष बिसेन उर्फ सागर कुमार जम्मू कश्मीर में 19 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले बसोहली उत्सव 2026 संस्कृति, कला, विरासत और रचनात्मकता का अनूठा संगम में भाग लेगे। उनके साथ भारत के विभिन्न हिस्सों के प्रमुख कार्टूनिस्ट और अन्य कलाकार भाग ले रहे हैं।

इस आशय की जानकारी प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट सागर कुमार के बड़े भाई व प्राईवेट शिक्षण संस्थान के जिलाध्यक्ष व प्रसिद्ध भाजपा नेता निरंजन बिसेन ने देते हुए बताया कि बसोहली उत्सव के इस विशेष कार्टून सेगमेंट में जम्मू.कश्मीर के बाहर के चार प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट भी शामिल होंगे।



उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि जम्मू.कश्मीर सरकार के इस आयोजन में आमंत्रित किए गए वह मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के इकलौते कार्टूनिस्ट हैं। देश भर में विख्यात मनोज कुरील और प्रमुख कार्टूनिस्ट माधव जोशी भी इस आयोजन का हिस्सा होंगे। इनके साथ जम्मू.कश्मीर के कार्टूनिस्ट मनोज चोपड़ा चंद्रशेखर और कश्मीर से शाह तारिक भी महोत्सव में भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि बसोहली उत्सव सीजन 4 के दौरान ये सभी कार्टूनिस्ट लाइव कार्टून.मेकिंग सत्रों, कार्यशालाओं और एक प्रदर्शनी के माध्यम से अपने रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन करेंगे। आगंतुकों, विशेषकर बच्चों और युवा कलाकारों को पेशेवर कार्टूनिस्टों को काम करते देखने और कार्टून बनाने की बुनियादी तकनीकें सीखने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों जैसे विकास भी विरासत भी, स्वच्छ भारत और नशे को ना कहें पर आधारित कार्टूनों की एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। हास्य और विजुअल स्टोरीटेलिंग दृश्य कहानी के माध्यम से ये कार्टून जनता तक सरल लेकिन अर्थपूर्ण सामाजिक संदेश पहुंचाएंगे।

उत्सव का एक प्रमुख आकर्षण रआउटडोर कार्टून प्रदर्शनी होगी, जेहां कलाकृतियों को किसी पारंपरिक आर्ट गैलरी के बजाय खुले सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शित किया जाएगा। इससे आगंतुक बसोहली के सांस्कृतिक माहौल का आनंद लेते हुए कार्टून कला का अनुभव कर सकेंगे।

उकवा में फुटबॉल का रोमांच चरम पर, नारायणपुर और आसाम के बीच कड़ा संघर्ष फिर भी नतीजा शून्य रहा

महू इंदौर को 3-1 से हराकर मॉयल बॉयज उकवा ने दर्ज की शानदार जीत

हरिभूमि न्यूज उकवा। मॉयल लिमिटेड सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में 65 वां मॉयल सार्वजनिक दुर्गा उत्सव के महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अखिल भारतीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 अक्टूबर 2026 से मॉयल ग्राउंड उकवा खान मे कराया जा रहा है जिसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रुपए एवं विजेता ट्रॉफी इसी तरह द्वितीय पुरस्कार पचपन हजार पांच सौ पचपन रु एवं रनर ट्रॉफी विजेता एवं उपविजेता टीम को प्रदान की जाएगी ।टूर्नामेंट के संरक्षक श्री उमाकांत भुजाडे अभिकर्ता एवं महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में मुख्य अतिथि श्री निषाद निकोसे प्रबंधक उकवा खान जयंता प्रधान अंडरग्राउंड खान प्रबंधक उकवा विशिष्ट अतिथि श्री विवेक महाकालकर शिव शंकर तिवारी उप सरपंच उकवा राजेंद्र पांडे ओमेंद्र बिसेन पत्रकार अशोक राउत आनंद गोदरे सलीम खान संजना बर्बे टूर्नामेंट के पांचवें दिन का पहला मैच नेशनल फुटबॉल क्लब महू इंदौर एवं मायल बायज उकवा के मध्य खेला गया



जिसमे मायल बायज उकवा की टीम 3-1 गोल से विजयी रही । मायल बायज उकवा के खिलाड़ी प्रवीण ने अपना उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए शानदार 2 गोल दागे जिसे उपखान प्रबंधक जयंता प्रधान के द्वारा 1001 रुपए नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

इसी तरह टूर्नामेंट का दूसरा मैच आरकेएम नारायणपुर छत्तीसगढ़ एवं रंगीया टाउन क्लब रंगीया आसाम के मध्य खेला गया जिसमें दोनों ही टीमें 0-0 की बराबरी पर रही । नवदुर्गा उत्सव समिति कोषाध्यक्ष श्री विशाल सालुंखे संदीप मरकाम कार्यक्रम सचिव अजय बडोले बी कोटेश्वर राव आकाश मोंडे ऋषिकेश करवाडे व्यवस्था समिति महेश धुर्वे हर्बल तागड़े राजेंद्र भारद्वाज कृष्ण कठोते प्रवीण नायर तरुण कौशिक टूर्नामेंट एवं नवदुर्गा समिति सह सचिव विनय टांडी प्रीतम यादव राजेश खोबरागड़े टीपी सहनी धर्मेंद्र मेश्राम सूरज यादव गणेश राजकुमार नेताम बोरीकर रविंद्र डहरवाल पूजा समिति श्री नीरज पसीने प्रफुल्ल सिंह जय नारायण झा चिकित्सा समिति डॉक्टर विजय नरवाडे डॉक्टर श्रीमती जय श्री नरवाडे हेमंत बाग व्यवस्था समिति दर्शन दीप मनोज साठे । आज खेले जाने वाला पहला मैच आर टी बायज हैदराबाद एवं मायल इलेवन एफ सी बालाघाट के मध्य खेला जाएगा इसी तरह आज का दूसरा मैच तमिलनाडु पुलिस चेन्नई एवं बिल्डअप स्पोर्ट्स फाउंडेशन पन्ना के मध्य खेला जाएगा । आज रात्रि मे अलाप आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम किया जाएगा मैच कमिश्नर अंजल सिंग ठाकुर इन मैचो के मुख्य निर्णायक गोविंद परमार इंदौर कपिल पंद्रे उकवा शाहरुख खान टीकमगढ़ विकास वडकडे अंम्बुज गुप्ता अनूपपुर रोहित यादव उकवा तरुण चक्रवर्ती ने निर्णायक की मुख्य भूमिका निभाई ।

गणित का सवाल गलत होने पर पांचवीं के छात्र की बेरहमी से पिटाई का आरोप, शिक्षक की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

नीम की लकड़ी से पीठ पर 10 और हाथ पर 5 बार मारने का आरोप; घर में बताने पर स्कूल से नाम काटने की धमकी देने की बात आई सामने, घायल छात्र को सिविल अस्पताल लांजी में कराया गया भर्ती

हरिभूमि न्यूज लांजी। लांजी मुख्यालय अंतर्गत आने वाले प्राथमिक शाला विष्णु टोला बड़गांव क में कक्षा पांचवीं में पढ़ने वाले 10 वर्षीय छात्र कृष्ण घोरमारे के साथ शिक्षक द्वारा कथित रूप से मारपीट किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। छात्र के परिजनों के अनुसार, गणित का सवाल गलत हल करने की वजह से शिक्षक रूपचन्द्र खरे ने छात्र की नीम की लकड़ी से बेरहमी से पिटाई की। आरोप है कि शिक्षक ने छात्र की पीठ पर लगातार करीब 10 बार और हाथ पर 5 बार मारा, जिससे उसके शरीर पर चोट के निशान बन गए। घटना के सामने आने के बाद बच्चों की सुरक्षा, विद्यालय में अनुशासन के नाम पर अपनाई जाने वाली कथित हिंसक



कार्यप्रणाली और संबंधित शिक्षक की जवाबदेही को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कृष्ण घोरमारे, पिता इसेक घोरमारे, उम्र 10 वर्ष, निवासी विष्णु टोला बड़गांव क, प्राथमिक शाला विष्णु टोला बड़गांव क में कक्षा पांचवीं का छात्र है। बताया गया कि घटना दोपहर लगभग एक बजे की है। आरोप है कि गणित का सवाल गलत बनाने पर शिक्षक रूपचन्द्र खरे ने छात्र को नीम की लकड़ी से पीटना शुरू कर दिया। परिजनों के मुताबिक, छात्र की पीठ पर लगातार 10 बार तथा हाथ पर 5 बार प्रहार किया गया।यदि जांच में ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला केवल विद्यालय में अनुशासन बनाए रखने का नहीं, बल्कि एक नाबालिग विद्यार्थी की सुरक्षा और उसके साथ किए गए कथित शारीरिक दुर्व्यवहार का गंभीर मामला होगा। पढ़ाई में गलती होने पर विद्यार्थी को समझाना और सही तरीका सिखाना शिक्षक की जिम्मेदारी है। किसी भी बच्चे को शारीरिक दंड देना उसकी गरिमा और सुरक्षा के अधिकार के विपरीत है।

इस मामले में सबसे गंभीर आरोप यह है कि कथित मारपीट के बाद शिक्षक ने छात्र को घटना के बारे में घर में बताने से मना किया। परिजनों के अनुसार, छात्र को कथित तौर पर धमकी दी गई कि यदि उसने घर में घटना बताई, तो उसका नाम स्कूल से काट दिया जाएगा और उसे स्कूल से भगा दिया जाएगा।यदि यह बात जांच में प्रमाणित होती है, तो मामले की गंभीरता और बढ़ जाती है। किसी बच्चे को अपने साथ हुई घटना की जानकारी माता-पिता या अभिभावकों को देने से रोकना और स्कूल से निकालने की धमकी देना गंभीर चिंता का विषय है। विद्यालय ऐसा स्थान होना चाहिए, जहां बच्चे सुरक्षित महसूस करें और बिना किसी डर के अपनी समस्या बता सकें।



खेरमाई दुर्गा उत्सव समिति, सोनखार



ग्राम पंचायत, बावली



दुर्गा चौक , सोनखार


गंज मोहल्ला, वर्मा टाल के सामने, सिवनी

नवरात्रि महोत्सव में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर कोतवाली पुलिस का कड़ा प्रहार

मारपीट एवं चाकूबाजी की घटनाओं में संलिप्त 80 आरोपियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, किया गया बाउंड ओवर

नवरात्रि पर्व पर शांति व्यवस्था बनाए रखने को कोतवाली पुलिस अलर्ट, उपद्रवियों पर पुलिस का शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

नवरात्रि महोत्सव के दौरान जिले में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका को रोकने के उद्देश्य से सिवनी पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा दिए गए निर्देशों तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा बड़ी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा पूर्व में मारपीट, चाकूबाजी जैसी घटनाओं में संलिप्त रहे तथा त्यौहारों के दौरान अशांति उत्पन्न करने की आशंका वाले व्यक्तियों को चिन्हित किया गया। शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसे कुल 80 आरोपियों के विरुद्ध धारा 126, 135 बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर माननीय न्यायालय से बाउंड ओवर कराया गया है।

असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर

नवरात्रि महोत्सव के दौरान गरबा पंडालों, दुर्गा प्रतिमा स्थलों, बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा ऐसे तत्वों पर सतत निगरानी रखी जा रही है जो त्यौहार की आड़ में हुड़दंग, मारपीट अथवा विवाद उत्पन्न कर सकते हैं।

कोतवाली पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य संभावित विवादों एवं आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाना, आमजन में सुरक्षा की भावना बनाए रखना तथा नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराना है।

त्योहार की आड़ में हुड़दंग करने वालों को सख्त संदेश

सिवनी पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि त्योहारों के दौरान शांति भंग करने, मारपीट करने, चाकूबाजी अथवा अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुरूप सख्त कार्रवाई की जाएगी। सार्वजनिक स्थलों पर अशांति फैलाने वाले तत्वों पर पुलिस की सतत निगरानी रहेगी।

आमजन से अपील

सिवनी पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि नवरात्रि महोत्सव को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। किसी भी प्रकार के विवाद, अफवाह अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल 112 अथवा थाना कोतवाली को दें तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

केवलारी में 17 अक्टूबर को होगा विशाल शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन

सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का भी होगा आयोजन, जिले भर के सनातनियों से शामिल होने की अपील

केवलारी (सिवनी) राष्ट्रीय बजरंग दल, महाकौशल प्रांत, जिला सिवनी के तत्वावधान में केवलारी में 17 अक्टूबर 2026, शनिवार को भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ केवलारी।

दोपहर 1 बजे से केवलारी के बड़े ग्राउंड में विशाल शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन आयोजित होगा। इस अवसर पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ भी किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। जिला महामंत्री हिंदू राजेश कुमार बघेल ने बताया कि शस्त्र पूजन सनातन धर्म की परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। यह परंपरा धर्म, संस्कृति और समाज की रक्षा के प्रति कर्तव्यबोध की प्रेरणा देती है। वहीं, पथ संचलन के माध्यम से संगठन एवं समाज में एकता, अनुशासन और धार्मिक जागरण का संदेश दिया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पथ संचलन केवलारी के मुख्य मार्गों से होते हुए बड़े ग्राउंड पहुंचेगा। यहां शस्त्र पूजन एवं सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा।

प्रांत के पदाधिकारियों का मिलेगा मार्गदर्शन

इस अवसर पर राष्ट्रीय बजरंग दल के महाकौशल प्रांत के पदाधिकारियों का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। संगठन के पदाधिकारियों ने जिले भर के सभी सनातनियों से अपने परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागिता करने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

नवरात्रि-दशहरा पर जम्मू की अनूठी पहल, अस्पताल पहुंचने के लिए फ्री रहेगी ऑटो सेवा



सिवनी। नवरात्रि और दशहरा पर्व के अवसर पर जम्मू भाई ऑटो वाले की ओर से जनसेवा की एक सराहनीय पहल की गई है। इसके तहत अस्पताल जाने वाले जरूरतमंद लोगों को सुबह 9.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक निःशुल्क ऑटो सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल का उद्देश्य जरूरत के समय लोगों को अस्पताल पहुंचने में मदद करना है, ताकि आर्थिक परेशानी या आवागमन के साधन की कमी के कारण किसी मरीज को अस्पताल पहुंचने में दिक्कत न हो। निःशुल्क ऑटो सेवा का लाभ लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति मोबाइल नंबर 7000386695 पर संपर्क कर सकते हैं।

ज्वाला देवी मंदिर में हुआ माँ भगवती का दिव्य श्रृंगार दर्शन,



सिवनी। नगर के ज्वाला देवी मंदिर में माँ भगवती ज्वाला देवी का दिव्य एवं मनमोहक श्रृंगार किया गया। माँ के अलौकिक स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। मंदिर में 316 मनोकामना ज्योति कलशों की स्थापना भी की गई है, जो भक्तों की आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है। माँ भगवती के आकर्षक श्रृंगार ने मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना दिया। श्रद्धालुओं ने माँ के दर्शन कर अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की तथा माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया। मान्यता है कि माँ भगवती ज्वाला देवी अपने भक्तों की मनोकामनाएँ पूर्ण करती हैं और सदैव अपने भक्तों पर कृपा बनाए रखती हैं। माँ के दिव्य दर्शन से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का भाव देखने को मिला।

कृषि ज्ञान, विज्ञान एवं नवाचार को गांव-गांव पहुंचाने में महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका - कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना

कृषि विज्ञान केंद्र में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस का आयोजन

कृषि ज्ञान, विज्ञान एवं नवाचार को गांव-गांव और प्रत्येक किसान तक पहुंचाने में महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कृषि क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से न केवल कृषि कार्यों में नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। यह बात कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी में आयोजित राष्ट्रीय महिला किसान दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी एवं आत्मा परियोजना कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दर्पण सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला कृषकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि श्री सुधीर धुर्वे, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शेखर सिंह बघेल, जनपद अध्यक्ष श्रीमती किरण भलावी, उपसंचालक उद्यानिकी श्रीमती आशा उपवंशी, सहायक संचालक कृषि अभियांत्रिकी श्रीमती सायला कुरैशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कहा कि कृषि में नवाचार, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबंधन तथा किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कृषि विभाग, आत्मा परियोजना, कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग को समन्वित रूप से कार्य करते हुए ठोस रणनीति के साथ आगे बढऩा चाहिए। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला किसानों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

कलेक्टर ने कृषि महाविद्यालय जबलपुर से ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के अंतर्गत छह माह के लिए आई चतुर्थ वर्ष की छात्राओं से भी संवाद किया तथा उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करते हुए किसानों के अनुभवों को समझने और कृषि संबंधी ज्ञान को व्यवहारिक रूप से आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कृषि सखियों ने भी कृषि क्षेत्र में अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं राष्ट्रगीत तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शेखर सिंह बघेल ने दिया। उपसंचालक कृषि श्री सुधीर धुर्वे ने महिला किसान दिवस तथा कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. निखिल सिंह ने किया।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कृषि विज्ञान केंद्र के क्रॉप कैफेटेरिया का भ्रमण कर प्रकाश प्रपंच, पोषण वाटिका तथा धान की 40 से अधिक किस्मों के प्रदर्शन का अवलोकन किया और कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया। उन्होंने किसानों में कृषि संबंधी जागरूकता बढ़ाने तथा नवीन तकनीकों को खेतों तक पहुंचाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में कृषि विज्ञान केंद्र परिवार की ओर से कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के प्रथम आगमन पर रावे की छात्राओं एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. निखिल सिंह, डॉ. राजेंद्र सिंह ठाकुर, इंजी. कुमार सोनी, डॉ. जी.के. राणा, पीडी आत्मा श्री सत्येंद्र दास, श्री प्रफुल्ल घोड़ेश्वर, श्री नितिन गणवीर सहित कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के अधिकारी-कर्मचारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। कृषि विज्ञान केंद्र के श्री देवी प्रसाद तिवारी, श्री नीत लाहौरी, श्री संदीप यादव, श्री सुधीर यादव एवं श्रीमती प्रियंका श्रीवास की भी विशेष भूमिका रही।

ग्राम कामता एवं माहुलझिर में कृषकों को दिया गया वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों का प्रशिक्षण

सिवनी, 15 अक्टूबर 2026/ कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार तथा उपसंचालक कृषि सिवनी एवं परियोजना संचालक, आत्मा सिवनी के मार्गदर्शन में ग्राम कामता एवं माहुलझिर में कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम (आत्मा) योजनांतर्गत समूह क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कृषकों को नरवाई प्रबंधन, कम पानी में उत्पादित की जाने वाली फसलों तथा प्राकृतिक खेती के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही कृषकों को टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान नरवाई प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि फसल कटाई के बाद खेत में बची नरवाई को जलाने से मिट्टी के लाभकारी सूक्ष्मजीवों, जैविक पदार्थों एवं मृदा उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही वायु प्रदूषण में भी वृद्धि होती है। कृषकों को नरवाई के उचित प्रबंधन के लिए सुपर सीडर, हैप्पी सीडर एवं मल्चर जैसे कृषि यंत्रों की उपयोगिता समझाई गई। साथ ही फसल अवशेषों के शीघ्र अपघटन के लिए वेस्ट डीकंपोजर एवं बायोडीकंपोजर के उपयोग की जानकारी दी गई।

शक्ति से सृजन कार्यक्रम अंतर्गत महिला शिक्षकों का हुआ सम्मान

धनौरा। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद धनोरा जिला सिवनी अंतर्गत नवांकुर संस्थाओं व प्रस्फुटन समितियों के सहयोग से नवांकुर सखी सृजन से शक्ति कार्यक्रम शासकीय हायर सेकेंडरी कन्या शाला धनोरा में नवरात्रि के पावन पुनीत दिवस मां स्कंदमाता के पंचमी दिवस के अवसर पर नवांकुर संस्था रानी दुर्गावती सोशल सोसायटी के द्वारा नारी शक्ति स्वरूप देवी तुल्य शिक्षिकाओं का स्वागत,सम्मान जिसमें प्रकति संरक्षण संस्कृति के संरक्षण अंतर्गत शक्ति से सृजन कार्यक्रम आयोजितकिया महिला शिक्षिकाएं द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते आ रहे है जिनका सम्मान जरूरी है इतनी व्यवस्थाओं के बावजूद शिक्षा के साथ साथ घर परिवार समाज समाज में भूमिका निभाते है नवांकुर संस्था द्वारा विद्यासागर हाई स्कूल की शिक्षिकाओं एवं छाया शिवेदी महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी की उपस्थित में महिलाओं का सम्मान किया गया सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चन किया गया, विकासखंड समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद श्याम उईके द्वारा कार्यक्रम का उद्देश्य एवं रूपरेखा बताई गई सभी उपस्थित महिलाओं का सम्मान किया गया एवं भेंट स्वरूप आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया।

घंसौर विकासखंड के ग्राम बालपुर में आयोजित होगा मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत 16 अक्टूबर 2026 को घंसौर विकासखंड के ग्राम बालपुर में मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर आयोजित किया जाएगा।

शिविर के माध्यम से आमजन की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर सुनकर उनके निराकरण के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन में शिविर की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शिविर स्थल पर नागरिकों की सुविधा, विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति तथा प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। नागरिक अपनी समस्याएं एवं आवेदन संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। अधिकारियों द्वारा आवेदनों की जांच करते हुए नियमानुसार यथासंभव मौके पर ही समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। जिन प्रकरणों का निराकरण तत्काल संभव नहीं होगा, उनमें आवश्यक कार्यवाही करते हुए समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

शिविर में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएगी तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। मुख्यमंत्री जनविश्वास शिविर आमजन और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने तथा समस्याओं के समाधान को गति देने का प्रभावी माध्यम बनेगा।

जिला प्रशासन ने घंसौर क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे 16 अक्टूबर को आयोजित शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं आवेदनों का निराकरण कराएं तथा शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करें।

दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने हेतु 26 से 31 अक्टूबर तक लगेंगे परीक्षण शिविर

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली की एडिप योजना के अंतर्गत जिला सिवनी के दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण, कैलिपर्स एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), जबलपुर के माध्यम से मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

शिविरों में पात्र दिव्यांगजनों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, वॉकर, चलने की छड़ी, बौद्धिक दिव्यांगता संबंधी किट, ब्रेल मोबाइल सहित अन्य सहायक उपकरणों के लिए चिन्हित किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनपद पंचायत घंसौर में 26 अक्टूबर 2026 को शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनपद पंचायत धनौरा के दिव्यांगजन भी शामिल होंगे। जनपद पंचायत बरघाट में 27 अक्टूबर को आयोजित शिविर में नगर परिषद बरघाट के दिव्यांगजन भी लाभ ले सकेंगे। जनपद पंचायत लखनादौन में 28 अक्टूबर को होने वाले शिविर में जनपद पंचायत छपारा तथा नगर परिषद लखनादौन एवं छपारा के दिव्यांगजन शामिल होंगे। जनपद पंचायत केवलारी में 29 अक्टूबर को आयोजित शिविर में नगर परिषद केवलारी के दिव्यांगजन भी सम्मिलित हो सकेंगे। जनपद पंचायत कुरई में 30 अक्टूबर तथा जनपद पंचायत सिवनी में 31 अक्टूबर 2026 को शिविर आयोजित किए जाएंगे। सिवनी में आयोजित शिविर में नगर पालिका सिवनी सहित अन्य जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों के शेष पात्र दिव्यांगजन भी शामिल हो सकेंगे। सभी शिविर प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होंगे।

एडिप योजना के अंतर्गत निःशुल्क सहायक उपकरण प्राप्त करने के लिए दिव्यांगजन को परीक्षण के समय आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य है। इनमें विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी कार्ड), दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र अथवा गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी का राशन कार्ड, मूल निवासी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, समग्र पहचान पत्र तथा दिव्यांगता दर्शाते हुए पासपोर्ट आकार के फोटो शामिल हैं। सामान्य सहायक उपकरणों के लिए यूडीआईडी कार्ड में 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता होना आवश्यक है, जबकि मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल के लिए 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता निर्धारित है। आय संबंधी पात्रता के अंतर्गत मासिक आय 22,500 रुपये या उससे कम होना अथवा बीपीएल राशन कार्ड होना आवश्यक है।

योजना के प्रावधानों के अनुसार, ऐसे दिव्यांगजन जिन्होंने सामान्य प्रयोजन के सहायक उपकरण पिछले तीन वर्षों के दौरान किसी भी स्रोत से प्राप्त नहीं किए हैं, वे योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल एवं स्मार्ट फोन के लिए यह अवधि पांच वर्ष निर्धारित है। शिविरों के सुचारू संचालन एवं अधिकाधिक पात्र दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने के लिए संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नोडल अधिकारी तथा सामाजिक सुरक्षा अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं,

नाम परिवर्तन सूचना
मैं AMITA WALTER NEMA उम्र 45 वर्ष W/O VINAY KUMAR NEMA मेरी 10th, 12th B.A की अंकसूची में मेरा विवाह के पहले का नाम (AMITA WALTER) लिखा हुआ है जो विवाह के बाद बदल कर (AMITA WALTER NEMA) कर लिया है जो कि मेरे पेन, आधार कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है अतः मुझे मेरे नए नाम (AMITA WALTER NEMA) से जाना पहचाना जाए।
नया नाम :- AMITA WALTER NEMA
पुराना नाम :- AMITA WALTER
पता - : कचहरी रोड सुभाष वार्ड 03 लखनादौन (सिवनी)

हरिभूमि

सतपुड़ा भूमि

[तिरोड़ी | बोनकटा | कंटगी | बैहर | वारासिवनी | हटा]

जबलपुर, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

login : www.haribhoomi.com

रेलवे ओवर ब्रिज के पास देखा गया बाघ, खेतों में मिले पगमार्क

आगासी में बाघ की आमद, ग्रामीणों में दहशत

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

तहसील मुख्यालय कटंगी से महज चार किलोमीटर दूर स्थित ग्राम आगासी में वन्य प्राणी बाघ के देखे जाने के दावे से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गांव में रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित खेतों में बाघ के पगमार्क भी पाए गए हैं, जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और निगरानी बढ़ा दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जाम निवासी किशोर हरिनखेडे ने बुधवार की रात साढ़े 11 से 12 बजे के बीच आगासी के रेलवे ओवर ब्रिज के पास बाघ को देखने का दावा किया है। किशोर उसी समय धनकोषा गांव से धार्मिक आयोजन बाड़ी के कार्यक्रम से वापस अपने घर की ओर लौट रहे थे। बाघ को देखकर वह बुरी तरह से डर गए थे।

उन्होंने जैसे ही ब्रिज पार कर अगासी गांव में एंट्री की। उन्होंने गांव के सार्वजनिक दुर्गा पंडाल में बैठे ग्रामीणों को तुरंत इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। रात में ही सार्वजनिक दुर्गा पंडाल के लाउडस्पीकर से मुनादी करवा दी गई कि गांव के पास खेतों में बाघ देखा गया है, सभी सतर्क रहें और रात में खेतों की ओर न जाएं। यह मुनादी सुनते ही ग्रामीण अपने घरों में दुबक गए। बाघ दिखाई देने की सूचना मिलते ही वन विभाग में भी हड़कंप मच गया। कटंगी वन परिक्षेत्र के कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और देर रात करीब ढाई बजे तक गांव में ही डटे रहे। टॉर्च और वाहनों की लाइट से पूरे ओवरब्रिज और आसपास के खेतों की सर्चिंग की गई। इसके बाद 15 अक्टूबर गुरुवार की दोपहर करीब 1 बजे वन विभाग की टीम पुनः आगासी गांव पहुंची। टीम ने रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित खेतों का बारीकी से निरीक्षण किया, जहां पर बाघ के पगमार्क जैसे निशान देखे गए हैं। विभाग ने पगमार्क के फोटो और नाप लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे हैं, ताकि पुष्टि हो सके कि यह वाकई बाघ का ही पगमार्क है या किसी अन्य वन्य प्राणी का।

खेत में जाने से डर रहे किसान वन्य प्राणी बाघ के दिखाई देने के दावे के बीच सबसे ज्यादा डर किसानों में है। बता दें कि इस समय धान की फसल पूरी तरह पककर तैयार हो चुकी है और अगले कुछ दिनों में ही कटाई का काम शुरू होने वाला है। लेकिन बसाहट के इतने करीब बाघ के आने से किसान खेतों में जाने से कतरा रहे हैं। कई किसानों ने बताया कि वह सुबह-शाम खेतों में पानी देखने और रखवाली के लिए जाते थे, लेकिन अब अकेले जाने की हिम्मत नहीं हो रही है। आगासी जैसे घनी आबादी वाले गांव के इतने करीब बाघ का आना कई तरह के खतरों को जन्म दे रहा है। सबसे बड़ा खतरा ग्रामीणों की जान को है। शाम होते ही खेतों में अंधेरा छा जाता है और किसान अक्सर समूह में नहीं होते। ऐसे में बाघ के हमले का खतरा बना रहता है। साथ ही गांव में बड़ी संख्या में मवेशी हैं, जो खुले में बंधे रहते हैं, बाघ उनके लिए भी खतरा बन सकता है। जिस जगह बाघ देखा गया है, वह रेलवे ओवरब्रिज और ट्रैक के बेहद करीब है। रात के समय ट्रेनों की आवाजाही रहती है। यदि बाघ ट्रैक पर आ गया तो ट्रेन से टकराने से उसकी मौत भी हो सकती है। जब बाघ आबादी के करीब आता है तो अक्सर ग्रामीण डर के कारण उसे भगाने के लिए शोर मचाते हैं, आग जलाते हैं या भीड़ लगाते हैं, इससे बाघ हिंसक हो सकता है और मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति बन सकती है। फिलहाल वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वह अफवाहों पर ध्यान न दें, लेकिन सतर्क जरूर रहें। अकेले खेतों में न जाएं, शाम के बाद खेतों की ओर जाने से बचें, मवेशियों को सुरक्षित जगह पर बांधें और बाघ दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें।



कान्हा के खापा क्षेत्र में बाघ का हमला, महिला गंभीर घायल



हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले से लगे कान्हा टाइगर रिजर्व के खापा क्षेत्र में गुरुवार दोपहर बाघ के हमले से सुनीताबाई (48) नाम की महिला घायल हो गईं। वे जंगल में छिंद और अन्य काम से जा रही थीं। बाघ के पंजों से उनके हाथ, कमर और पैर में कई घाव बन गए हैं।

महिला के साथ गए लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद बाघ जंगल की ओर भाग गया। घायल सुनीताबाई को किसी तरह सड़क तक लाया गया। परिजन उन्हें बैहर अस्पताल ले गए, जहां उनका इलाज चल रहा है।

कान्हा टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र अधिकारी गनवीर ने हमले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वन विभाग सुरक्षा के कदम उठा रहा है, लेकिन महिला के प्रतिबंधित क्षेत्र में जाने की बात भी कही।

2 अगस्त को सुगनी बाई और 7 अगस्त को राजकुमार पर भी बाघ हमला कर चुका है।

बालाघाट में शारदीय नवरात्रि का उत्सव



हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट के भटेरा में नवरात्र पर विंध्यवासिनी दुर्गोत्सव समिति ने मां दुर्गा के साथ अमरनाथ गुफा की झांकी तैयार की है। करीब 150 फीट लंबी इस झांकी में बाबा बर्फानी के दर्शन भी हो रहे हैं। रोजाना एक हजार से ज्यादा भक्त इसे देखने आ रहे हैं। विंध्यवासिनी दुर्गोत्सव समिति 48 सालों से यह आयोजन कर रही है। अध्यक्ष सुशील ठाकुर और उनकी टीम पिछले 26 सालों से इसे नया रूप दे रही है। समिति की शुरुआत 48 साल पहले उत्पानसिंह ठाकुर, जगदीश अग्रवाल, मंगल भैया और राजु माहुले ने अपने खर्च पर की थी।

ओबीसी आरक्षण पर महासभा का आक्रोश, मांग पूरी नहीं हुई तो भारत बंद की चेतावनी



हरिभूमि न्यूज बालाघाट। ओबीसी महासभा ने बालाघाट कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपा। उनकी मांग है कि ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत बरकरार रहे। हाईकोर्ट ने 27 प्रतिशत आरक्षण खारिज कर 14 प्रतिशत को ही सही माना, जिससे प्रदेश के ओबीसी वर्ग में नाराजगी है।

महासभा उपाध्यक्ष प्रशांत मोहारे ने भाजपा सरकार पर ओबीसी की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, सरकार ने कोर्ट में कमजोर पक्ष रखा, जिससे 27 प्रतिशत आरक्षण बहाल नहीं हो पाया। मोहारे ने जातिगत जनगणना की मांग भी की। मोहारे ने 27 प्रतिशत आरक्षण बहाल करने की मांग की। सरकारी नौकरी में चुने गए युवाओं के पद कोर्ट में अटका होने से होल्ड हैं, जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। महासभा ने चेतावनी दी कि अगर सरकार यह आरक्षण नहीं दिलाती, तो ओबीसी समाज सड़क पर उतरकर भारत बंद जैसा आंदोलन करेगा। उन्होंने सरकार से ऊपरी अदालत में अपील कर जल्द निपटारे की मांग की।

बालाघाट के नए कलेक्टर आदित्य सिंह ने संभाला कार्यभार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2014 बैच के अधिकारी श्री आदित्य सिंह ने गुरुवार 15 अक्टूबर को बालाघाट जिले के नए कलेक्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने जिला अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और प्रशासन की कार्यशैली को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं।

कलेक्टर आदित्य सिंह ने कहा कि प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को अधिक से अधिक फील्ड विजिट करने, समस्याओं का मौके पर जाकर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने कहा। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। साथ ही बालाघाट जिले को विकास और सुशासन के हर पैमाने पर प्रदेश के अग्रणी जिलों में बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

उल्लेखनीय है कि श्री आदित्य सिंह इससे पूर्व कलेक्टर अशोकनगर एवं कलेक्टर हरदा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके प्रशासनिक अनुभव का लाभ अब बालाघाट जिले को मिलेगा। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री डी.पी.बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री सुधीर जैन, एसडीएम श्री गोपाल सोनी, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक गौरव सिंह पारधी सेलवा में धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस समारोह में हुए शामिल

70वें धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस समारोह का हुआ आयोजन



हरिभूमि न्यूज बालाघाट। कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ग्राम सेलवा स्थित तक्षक नाग महाबोधि बुद्ध विहार में आयोजित 70वें धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भगवान गौतम बुद्ध एवं भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को नमन कर सभी के सुख, शांति एवं मंगल की कामना की। विधायक श्री पारधी ने बौद्ध धर्म के समस्त उपासक-उपासिकाओं का अभिनंदन करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बुद्ध विहार के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा विधायक का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

बुद्ध के विचार समतामूलक समाज के निर्माण की प्रेरणा देते हैं - गौरव सिंह पारधी

विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ने कहा कि भगवान गौतम बुद्ध के शांति, करुणा, समानता और मानवता के संदेश आज भी प्रासंगिक हैं। धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस हमें बुद्ध के विचारों को आत्मसात कर आपसी भाईचारे, सामाजिक सद्भाव और समानता पर आधारित समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है। भगवान बुद्ध के बताए मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम, करुणा और बंधुत्व की भावना को मजबूत किया जा सकता है।कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री पारधी ने उपस्थित लोगों से चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। समारोह में ध्यान साधना, पूजा-वंदना एवं धम्म देशना के माध्यम से भगवान बुद्ध के विचारों का स्मरण किया गया।

इस अवसर पर तक्षक नाग बुद्ध विहार की अध्यक्ष अमिता हिरकने, सचिव अंजू गजभिए, कोषाध्यक्ष उषा हिरकने, पूर्व सरपंच मोनिका हिरकने, संरक्षक लीना हिरकने, तहसील बौद्ध संघ कटंगी के अध्यक्ष एवं विहार संरक्षक महेंद्र हिरकने, जिला पंचायत प्रतिनिधि महेश बोरकर, डॉ. एल.डी. हिरकने, धम्म प्राचार्य डॉ. अनिल हिरकने, सिद्धार्थ हिरकने सहित विहार के सदस्य सारिका हिरकने, नीता हिरकने, रीता हिरकने, संतोषी हिरकने, छाया हिरकने एवं रमा गजभिए उपस्थित रहीं।

एनजीटी ने पर्यावरण संबंधी उपायों को ठहराया सही, याचिका हुई समाप्त

नपा बालाघाट को 17 करोड़ प्रदूषण क्षतिपूर्ति प्रकरण में बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



नगर पालिका परिषद बालाघाट के विरूद्ध गर्रा के डंपिंग यार्ड में पर्यावरण नियमों को लेकर दायर की गई वर्ष 2024 की याचिका पर अंतिम सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण एनजीटी ने 13 अक्टूबर को फैसला दिया है जिसमें नपा को बड़ी राहत मिली है। 17 करोड़ 67 लाख का एनजीटी ने प्रदूषण क्षतिपूर्ति के तौर पर जुर्माना लगाया था किंतु एनजीटी के समक्ष प्रस्तुत किये गये साक्ष्यों एवं पत्रों से सहमत होते हुए नपा के पर्यावरण प्रबंधन प्रयोजनों को एनजीटी ने सही पाया है और याचिकाकर्ता द्वारा प्रकरण वापिस लेने के उपरांत यह मामला खारिज हो गया है। एनजीटी में प्रज्ञेश बिसेन ने 2024 में अपील कर परिवार प्रस्तुत किया था। जिसपर सुनवाई करते हुए शहर के घरेलू सीवेज का बिना उपचार किए जल स्त्रोतों में छोडने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 के उल्लंघन पर मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 7 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी कर बालाघाट नगर पालिका 17.67 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। नगर पालिका बालाघाट ने मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लगाए गए जुर्माने को चुनौती देते हुए राहत मांगी थी, अधिकरण ने इसपर सुनवाई पूरी की। जिसमें पाया गया कि नपा बालाघाट ने पर्यावरण सुधार, प्रदूषण नियंत्रण और पुनर्बहाली कार्यों पर बेहतर काम किया है। नपा द्वारा दलील दी गई थी कि सीवीज ट्रेटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया था कि प्रतिदिन निकलने वाले कूड़ा-कचरे के निष्पादन के लिए नपा ने गर्रा रेंगाटोला रोड पर डंपिंग यार्ड बनाया हुआ है। यहां कचरे का निष्पादन कर खाद बनाए जाने की प्रक्रिया की जाती है। मामले में सुनवाई के बाद एनजीटी ने नपा पर राशि अधिरोपित की थी, इसके बाद 24 नवंबर को क्षेत्रीय कार्यालय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एक पत्र कलेक्टर बालाघाट को भेजा था, जबकि यह प्रकरण एनजीटी के समक्ष चल रहा था। जिसमें 13 अक्टूबर को नपा के पक्ष में निर्णय देते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं अन्य प्रयोजनों को सही ठहराया गया है और याचिकाकर्ता द्वारा प्रकरण वापिस लेने से यह अब समाप्त हो गया है। नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने जानकारी में बताया कि पर्यावरण संरक्षण दिशा में नगर पालिका बालाघाट द्वारा कार्ययोजना के तहत काम किये जा रहे है, जिसमें समता तालाब का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण, देवी तालाब के प्रयोजन, मोती उद्यान में स्वच्छता प्रबंधन, जलस्त्रोतों की कड़ी निगरानी और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जा रहा है। एनजीटी में दायर एक याचिका पर सुनवाई पूरी हुई है और याचिककर्ता की सहमति से प्रकरण समाप्त किया गया है, एनजीटी द्वारा नगरपालिका बालाघाट के प्रयोजनों को पर्यावरण संरक्षण के अनुकूल पाते हुए निर्णय दिया है। प्रकरण समाप्त होने के उपरांत अधिरोपित की गई 17.67 करोड़ रुपये की राशि का आदेश स्वमेव ही समाप्त माना जा सकता है जो नगरपालिका बालाघाट के विकास कार्यो एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी राहत होने के साथ ही कार्ययोजना को प्रभावी बनाये रखने में मददगार होगी।

किसानों को अलसी बीज वितरित कर एमपी किसान पोर्टल पर किया पंजीयन

बालाघाट। कृषि विभाग द्वारा 15 अक्टूबर को बालाघाट विकासखंड की ग्राम पंचायत बगदरा में कृषक हितग्राहियों को अलसी के बीज वितरित किए गए। इस दौरान किसानों का एमपी किसान पोर्टल पर पंजीयन भी किया गया। कृषि विभाग के मैदानी अमले ने किसानों को रबी सीजन की तैयारी, उन्नत फसलों की खेती और फसल अवशेष प्रबंधन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान किसानों को खेतों में पराली नहीं जलाने की समझाइश दी गई। कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बताया कि फसल अवशेषों को जलाने से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। इसलिए किसानों को पराली जलाने के बजाय फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया गया।

कंपनी सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में हमेशा आगे – विवेक कुमार

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए मॉयल ने दिया चार लाख का अनुदान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



भारत सरकार के उपक्रम मॉयल लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक सरोकार एवं जनहित से जुड़े कार्यों में लगातार सहयोग किया जा रहा है। इसी कड़ी में मॉयल लिमिटेड की ओर से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विभिन्न जनहितकारी कार्यों के लिए चार लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया गया। राशि का चेक खान प्रबंधक, बालाघाट खान विवेक कुमार द्वारा पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को उनके कार्यालय में सौंपा गया।

इस अवसर पर खान प्रबंधक विवेक कुमार ने कहा कि मॉयल लिमिटेड खनन गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों के निर्वहन को भी अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी मानती है। नक्सल प्रभावित एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार विकास और जनहित से जुड़े कार्यों में कंपनी द्वारा सहयोग किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि सीएसआर के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि मॉयल द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य, अधोसंरचना, शिक्षा तथा सामुदायिक सुविधाओं से जुड़े अनेक कार्यों में आर्थिक एवं आवश्यक संसाधनों के माध्यम से सहयोग किया गया है। कंपनी की ओर से एम्बुलेंस, डेड बॉडी फ्रीजर, सामाजिक भवन निर्माण, ग्राम पंचायतों में सीमेंट सड़क, उद्यान, नाली निर्माण और यात्री प्रतीक्षालय जैसे जनहितकारी कार्यों के लिए भी नियमानुसार सहायता प्रदान की जाती रही है।

मॉयल प्रबंधन के अनुसार कंपनी का उद्देश्य केवल खनन कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि जिन क्षेत्रों में कंपनी की गतिविधियां संचालित हैं, वहां स्थानीय समुदाय के विकास में भी सकारात्मक योगदान देना है। विशेष रूप से दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सहयोग किया जा रहा है। चार लाख रुपये की यह सहायता भी इसी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। मॉयल प्रबंधन ने कहा कि क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप सीएसआर के माध्यम से जनहित एवं विकास कार्यों में सहयोग का सिलसिला भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

किसान चौपाल में रबी फसलों की उन्नत खेती और जैविक कीटनाशकों के उपयोग पर दिया जोर



हरिभूमि न्यूज बालाघाट। रबी सीजन में फसलों की बेहतर पैदावार प्राप्त करने, खेती की लागत कम करने और किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 15 अक्टूबर को बालाघाट विकासखंड के ग्राम धनसुआ में किसान चौपाल का आयोजन किया गया। आत्मा परियोजना के जिला परियोजना निदेशक श्री रामनाथ पटेल ने चौपाल में किसानों से संवाद कर उन्हें रबी सीजन में सरसों, अलसी, चना और मूंग की खेती करने तथा इन फसलों की बुवाई के लिए स्टेप सीडर मशीन का उपयोग करने की सलाह दी। किसान चौपाल में श्री पटेल ने किसानों को रबी सीजन की तैयारियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान अपनी भूमि, उपलब्ध संसाधनों और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार सरसों, अलसी, चना एवं मूंग जैसी फसलों की खेती को बढ़ावा दें। फसलों की बुवाई के लिए स्टेप सीडर मशीन जैसी आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करें, ताकि व्यवस्थित तरीके से बुवाई की जा सके और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग हो। उन्होंने किसानों को खेती में नई तकनीकों को अपनाने के साथ फसल उत्पादन की लागत कम करने तथा कृषि कार्यों को अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए प्रेरित किया। चौपाल के दौरान किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के महत्व से अवगत कराया गया। श्री पटेल ने खेतों में रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने और उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर जैविक कीटनाशकों के उपयोग को बढ़ावा देने की सलाह दी। उन्होंने किसानों को नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और जीवामृत जैसे जैविक कृषि उत्पादों के उपयोग की जानकारी दी। किसानों को बताया गया कि इनका उपयोग उचित विधि एवं फसल की आवश्यकता के अनुसार करने से खेती में बाहरी कृषि आदानों पर होने वाले खर्च को कम करने में मदद मिल सकती है।

किसान चौपाल में किसानों को समझाइश दी गई कि खेती में लागत प्रबंधन के साथ मिट्टी की सेहत और पर्यावरण संरक्षण पर भी ध्यान देना आवश्यक है। जैविक एवं प्राकृतिक खेती की पद्धतियों को अपनाकर किसान रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास कर सकते हैं।

इस दौरान किसानों को जैविक कीटनाशकों के उपयोग से संबंधित जानकारी देते हुए बताया गया कि इनके उचित उपयोग से खेती की लागत कम करने में सहायता मिल सकती है। साथ ही कृषि कार्यों में ऐसी पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया गया, जिनसे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में मदद मिले। ग्राम धनसुआ में आयोजित किसान चौपाल का उद्देश्य किसानों को रबी फसलों की उन्नत खेती, आधुनिक बुवाई तकनीकों तथा जैविक एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करना रहा, ताकि किसान कम लागत में टिकाऊ खेती की दिशा में आगे बढ़ सकें।